राज्यन सभा

अतारांकित प्रश्न् संख्याप2764

10 अगस्तक्र2016 को उत्तइर के लिए

वैश्विक इस्पात उत्पादकों द्वारा भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों को धड़ाधड़ भेजा जाना

2764. **श्री अजय संचेती:**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में सार्वजनिक क्षेत्र तथा निजी क्षेत्र दोनों में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उनका कार्य-निष्पादन क्या रहा है;

(ग) क्या ये संयंत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी नहीं हैं;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या विश्व इस्पात उत्पादक भारतीय बाजार में इस्पात उत्पादों को धड़ाधड़ भेज रहे हैं, जिसके फलस्वरूप इस्पात आयात में बढ़ोतरी हो रही है; और

(च) यदि हां, तो इस्पात आयात को प्रतिबंधित करने तथा घरेलू उत्पादकों को वहनीय बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तचर

इस्पारतराज्ययमंत्री (श्री विष्णुल्देव साय)

(क): वर्ष 2015-16 के दौरान देश में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में क्रूड इस्पाषत का उत्पा दन कर रहे इस्पारत संयंत्रों की संख्यात (अनंतिम) नीचे तालिका में दी गई है:-

भारत : क्रूड इस्पांत	
क्षेत्र	2015-16* में इकाईयों की संख्याा
सार्वजनिक क्षेत्र	9
निजी क्षेत्र	1180
कुल: सार्वजनिक+ निजी क्षेत्र	1189
स्रोत: जेपीसी *अनंतिम	

(ख): गत पॉच वर्षों के दौरान देश में क्रूड इस्पाेत का उत्पा दन कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पापत संयंत्रों और निजी क्षेत्र के प्रमुख संयंत्रों द्वारा क्रूड इस्पापत का किये गये उत्पाहदन के ब्यौरे नीचे दिये गये है :-

वर्ष	भारत : क्रूड इस्पाि(मिलियन टन में)		
	(क) सार्वजनिक क्षेत्र	(ख) निजी क्षेत्र	कुल (क+ख)
2011-12	16.48	57.81	74.29
2012-13	16.48	61.94	78.42
2013-14	16.78	64.91	81.69
2014-15	17.21	71.77	88.98
2015-16*	17.92	71.86	89.78
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम			

(ग) और (घ): भारतीय उद्योग की प्रतिस्पनर्धात्म)कता विभिन्नप घटकों यथा लाभप्रदता , इनपुट और आउटपुट अनुपात समेत तकनीकी कार्य निष्पारदन , श्रम उत्पापदकता, पर्यावरण सुरक्षा के मानकों के अनुपालन में कार्य निष्पाीदन इत्यारदि द्वारा निर्धारित की जाती है। इस्पा त एक नियंत्रण मुक्तक क्षेत्र होने के नाते सरकार की भूमिका एक सुविधादाता की होती है। इस्पानत उत्पा दन की कंपनियॉ इस प्रकार की सूचनाओं को वाणिज्यिक दृष्टि से संवेदनशील समझती है और इसलिए भारतीय इस्पाइत उद्योग की विश्वा स्तनरीय प्रतिस्पसर्धात्मीकता के संबंध में सही-सही स्थिति के संबंध में कोई निष्कसर्ष नहीं निकाला जा सकता।

(ड.): जी हॉ। विश्वव स्त रीय इस्पाबत उद्योग अधिक मंदी से गुजर रहा है। मांग में कमी और विश्वह स्तार पर क्षमता की अत्यवधिक उपलब्धहता के परिणामस्वोरूप इस्पाजत की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें काफी कम हो गई है। इस्पा त के प्रमुख उत्पाकदक देश मूल्या निर्धारण की एक प्रीडेटरी नीति को अपना रहे है और भारत जैसे बाजारों में अपनी पकड़ बैठाने के लिए अपनी उत्पायदन लागत से काफी कम कीमत पर निर्यात कर रहे है। इससे इस्पांत के आयात में महत्वपपूर्ण वृद्धि हुई है।

(च): सरकार ने इस्पा त के आयातों को नियंत्रित करने और घरेलू उत्पाादकों को स्थिर बनाने के लिए निम्नैलिखित कदम उठाये है:-

- केन्द्रीय बजट 2015-16 में फ्लैट और नॉन-फ्लैट दोनों इस्पानत पर बेसिक सीमा शुल्कि की उच्चहतम दर 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत की गई है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत में केवल गुणवत्ताश युक्त इस्पापत का उत्पा दन या आयात हो , दिसम्बिर 2015 में इस्पाीत और इस्पातत उत्पा (गुणवत्ताआ नियंत्रण) आदेश, 2012 संशोधित किया गया है।
- इनगॉट्स और बिलेट्स, अलॉय स्टीेल (फ्लैट एवं लांग), स्टेउनलैस स्टीमल (लांग) और नान-अलॉय लांग उत्पानद पर आयात शुल्क बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत (5 प्रतिशत से) किया गया तथा नान अलॉय और अन्या अलॉय फ्लैट उत्पाोदों पर यह शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत (7.5 प्रतिशत से) किया गया है। इसे अगस्तन 2015 में पुन: संशोधित किया गया है। वर्तमान में आयात शुल्की फ्लैट स्टीेल पर 12.5 प्रतिशत, लांग स्टीाल उत्पादों पर 10 प्रतिशत और सेमी फिनिश्डम स्टीलल उत्पादों पर 10 प्रतिशत लागू है।
- स्टे नलैस स्टीटल के कतिपय किस्मों के हॉट रोल्डप फ्लैट उत्पाैदों के (चीन 309 प्रति टन), कोरिया ($ 180 प्रति टन) और मलेशिया ($ 316 प्रति टन) से आयातों पर 5 वर्षों के लिए एंटी डम्पिंग ड्यूटी लगाई गई है।
- 600 एमएम या इससे अधिक की चौड़ाई वाले क्वाायलों में नान अलॉय और अन्यत अलॉय स्टीआल के हॉट रोल्डा फ्लैट उत्पाअदों पर मार्च, 2016 में 20 प्रतिशत का सुरक्षोपाय शुल्कर लगाया गयाहै।
- सरकार ने फरवरी , 2016 में 173 इस्पानत उत्पा दों पर 6 माह के लिए न्यूगनतम आयात शुल्क (एमआईपी) अधिसूचित किया ताकि घरेलू उत्पा,दकों को उनके नुकसान जैसा कि उत्पारदकों के मार्जिन में गिरावट से स्प ष्टू होता है , के विरूद्ध प्रतिस्पकर्धा का समान अवसर मिल सके और दिनांक 04.08.2016 को 66 इस्पाात उत्पारदों पर एमआईपी लागू की गई।

***